

16-वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन

क्र०सं०	विषय	शासनादेश संख्या / दिनांक	पृष्ठ संख्या
1	वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन-वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-7 का परिशिष्ट-4	सं०-245 / xxvii(7) / 2012 दिनांक: 22 नवम्बर, 2012	289-292
2	वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन, 2010 के विवरण पत्र-V प्रकीर्ण आकस्मिक आवर्तक में संशोधन।	सं०-341 / xxvii(7)36 / 2012 दिनांक: 14 दिसम्बर, 2012	293-294

प्रेषक

राधा रतूड़ी,
सचिव, वित्त,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

1. प्रमुख सचिव,
वन विभाग,
2. प्रमुख वन संरक्षक,
देहरादून,
उत्तराखण्ड।

बित्त आडिट प्रकोष्ठ

देहरादून: दिनांक: २२ नवम्बर, 2012

विषय:- वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन- वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-7 का परिशिष्ट-4

महोदय,

मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय नियम संग्रह, खण्ड-7 परिशिष्ट-4 में विद्यमान वित्तीय अधिकारों पर सम्यक् विचारोपरान्त लिये गये निर्णयानुसार राज्यपाल महोदय अनुलग्नक में उल्लिखित वित्तीय अधिकार उनके समक्ष अंकित अधिकारियों को प्रतिनिहित करते हैं।

वित्तीय हस्त पुस्तिका भाग-1 में विद्यमान वित्तीय अधिकारों के प्रतिनिधायन, शासनादेश संख्या: 562/xxvii(7)/2010 दिनांक: 24 मई, 2010 के अनुसार ही रहेंगे।

ये आदेश तात्कालिक प्रभाव से लागू होंगे और वित्तीय नियम संग्रह में संशोधन यथासमय किये जाएंगे।

संलग्नक: यथोपरि।

भवदीय,
(राधा रतूड़ी)
सचिव, वित्त।

पत्र संख्या:- २५५ / xxvii(7) / 2012 तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. प्रधान महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), देहरादून उत्तराखण्ड।
2. प्रधान महालेखाकार (लेखा परीक्षा), देहरादून उत्तराखण्ड।
3. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें सह स्टेट इन्टरनल आडिटर, देहरादून, उत्तराखण्ड।
4. समस्त कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
5. वित्त नियंत्रक, कार्यालय प्रमुख वन संरक्षक, देहरादून उत्तराखण्ड।
6. वन अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन।

आज्ञा से,
(शरद चन्द्र पाण्डेय)
अपर सचिव, वित्त।

वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन-वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-7 का परिशिष्ट-4

क्रमांक	अधिकार का प्रकार	किसके द्वारा प्रयोग किया जाएगा	परिसीमाएँ	अभ्युक्ति	पूर्व अधिकार
1	2	3	4	5	6
1	मण्डार, औजार तथा सयंत्र का क्रय	1- अपर प्रमुख वन संरक्षक/मुख्य वन संरक्षक	1- ₹10.00 लाख तक इस प्रतिबन्ध के साथ कि किसी एक वस्तु का मूल्य ₹2.00 लाख से अधिक नहीं होगा।	-मात्र विभागीय विशिष्ट उपकरणों के क्रय हेतु	पूर्ण अधिकार
		2- वन संरक्षक/निदेशक	2- ₹ 5.00 लाख तक इस प्रतिबन्ध के साथ कि किसी एक वस्तु का मूल्य ₹1.00 लाख से अधिक नहीं होगा।	-बजट की उपलब्धता एवं मानक के अधीन। -क्रय प्रक्रिया उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 के अनुसार होगी।	2- ₹1.00 लाख की सीमा तक। - वन संरक्षक/उप वनसंरक्षक द्वारा औजारों तथा सयंत्रों का क्रय एक वर्ष में प्रतिनिहित सीमा से अधिक न किया जायेगा।
		3- उप वन संरक्षक/प्रभागीय वनाधिकारी	3- ₹ 2.00 लाख तक इस प्रतिबन्ध के साथ कि किसी एक वस्तु का मूल्य ₹50000/- से अधिक नहीं होगा।	- वन संरक्षक/उप वनसंरक्षक द्वारा औजारों तथा सयंत्रों का क्रय एक वर्ष में प्रतिनिहित सीमा से अधिक न किया जायेगा।	3- ₹20,000 की सीमा तक। - वन संरक्षक/उप वनसंरक्षक द्वारा औजारों तथा सयंत्रों का क्रय एक वर्ष में प्रतिनिहित सीमा से अधिक न किया जायेगा।
2	निर्धारित माप (स्केल) के अनुसार तम्बुओं का क्रय।	1- वन संरक्षक/निदेशक	1- पूर्ण अधिकार	-बजट की उपलब्धता एवं मानक के अधीन -क्रय प्रक्रिया उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 के अनुसार होगी।	1- पूर्ण अधिकार
		2- उप वन संरक्षक/प्रभागीय वनाधिकारी	2- ₹ 20.00 हजार की सीमा तक।		2- ₹ 05.00 हजार की सीमा तक।
3	वनों के प्रशासन एवं विभाग के कार्य कलापों के सम्बन्ध में संविधाओं, प्रतिमूर्ति, अनुबन्ध पत्रों तथा अन्य दस्तावेजों को निष्पादित करना।	1- प्रमुख वन संरक्षक		-न्याय विभाग की विज्ञप्ति संख्या: 1932 दिनांक: 15 जुलाई, 1977 के अनुसार। -न्याय विभाग द्वारा समय- समय पर जारी आदेशों का पालन किया जायेगा।	न्याय विभाग की विज्ञप्ति संख्या: 1932 दिनांक: 15 जुलाई, 1977 के अनुसार।
		2- अपर प्रमुख वन संरक्षक/मुख्य वन संरक्षक			
		3- वन संरक्षक/निदेशक			
		4- उप वन संरक्षक/प्रभागीय वनाधिकारी			

4	सरकारी कार्य के निष्पादन हेतु निविदाएँ स्वीकार करना।	1- प्रमुख वन संरक्षक	1- ₹60.00 लाख तक	-बजट की उपलब्धता एवं मानक के अधीन -कय प्रक्रिया उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 के अनुसार होगी।	1- ₹30.00 लाख तक की सीमा।
		2- अपर प्रमुख वन संरक्षक/मुख्य वन संरक्षक	2- ₹30.00 लाख तक		2- ₹10.00 लाख तक की सीमा।
		3- वन संरक्षक/निदेशक	2- ₹20.00 लाख तक		2- ₹05.00 लाख तक की सीमा।
		4- उप वन संरक्षक/प्रभागीय वनाधिकारी	4- ₹10.00 लाख तक		4- ₹1.00 लाख तक की सीमा।
		5- सहायक वन संरक्षक	5- ₹1.00 लाख तक		5- ₹10,000/- तक की सीमा।
5	फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इण्डिया/सर्वे ऑफ इण्डिया से वर्नों के नक्शे तैयार करने/मुद्रण कराने के सम्बन्ध में व्यय स्वीकृत करना।	प्रमुख वन संरक्षक	पूर्ण अधिकार। (आय-व्यय की सीमा तक)		₹15,000/- तक की सीमा।
6	आपराधिक अपराधों में अभियोजन हेतु अधिवक्ता फीस पर हुए व्यय की स्वीकृति देना	1- प्रमुख वन संरक्षक	1- प्रत्येक मामले में ₹20000/- तक	न्याय विभाग द्वारा समय-समय पर जारी आदेशों का पालन किया जायेगा।	1- प्रत्येक मामले में ₹5000/- तक की सीमा।
		2- अपर प्रमुख वन संरक्षक/मुख्य वन संरक्षक	2- प्रत्येक मामले में ₹15000/- तक		2- प्रत्येक मामले में ₹5000/- तक
		3- वन संरक्षक/निदेशक	3- प्रत्येक मामले में ₹10000/- तक		3- प्रत्येक मामले में ₹2500/- तक की सीमा।
		4- उप वन संरक्षक/प्रभागीय वनाधिकारी	4- प्रत्येक मामले में ₹5000/- तक		4- प्रत्येक मामले में ₹1000/- तक की सीमा।
7	(क) भारतीय वन अधिनियम की धारा 68 के अधीन प्राप्त प्रतिकर में से पारितोषिक मुगतान की प्राधिकृत करने का अधिकार	भारतीय वन अधिनियम, 1927 की धारा 68 के अन्तर्गत मामलों को Compound करने हेतु प्राधिकृत प्राधिकारी।	प्राप्त प्रतिकर का 10 प्रतिशत इस शर्त के अधीन कि इसकी अधिकतम सीमा ₹1000/- से अधिक न हो।		प्राप्त प्रतिकर का 10 प्रतिशत इस शर्त के अधीन कि इसकी अधिकतम सीमा ₹500/- से अधिक न हो।
	(ख) भारतीय वन वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 54 के अधीन पारितोषिक मुगतान को प्राधिकृत करने का अधिकार।	भारतीय वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 54 के अन्तर्गत मामलों को Compound करने हेतु प्राधिकृत प्राधिकारी।	भारतीय वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 यथासंशोधित वर्ष 2003 की धारा 60-ए के अन्तर्गत 50 प्रतिशत की सीमा तक, जो ₹25000/- से अधिक न हो।		भारतीय वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 यथासंशोधित वर्ष 2003 की धारा 60-ए के अन्तर्गत 50 प्रतिशत की सीमा तक, जो ₹25000/- से अधिक

					न हो।
8	वन अपराध को रोकने में सहायनीय एवं असाधारण कार्य के लिए (जिसमें जान जोखिम में डाली गयी हो) वन विभाग के अधीनस्थ कर्मचारी को पारितोषिक दिये जाने की स्वीकृति देना।	1- वन संरक्षक/निदेशक 2- उप वन संरक्षक/प्रभागीय वनाधिकारी।	1- प्रत्येक मामले में ₹5000/- की सीमा तक, किन्तु एक व्यक्ति को ₹1000/- से अधिक नहीं। 2- प्रत्येक मामले में ₹2000/- की सीमा तक किन्तु एक व्यक्ति को ₹500/- से अधिक नहीं।		1- प्रत्येक मामले में ₹2500/- की सीमा तक, किन्तु एक व्यक्ति को ₹500/- से अधिक नहीं। 2- प्रत्येक मामले में ₹1000/- की सीमा तक किन्तु एक व्यक्ति को ₹250/- से अधिक नहीं।
9	किसी सरकारी कर्मचारी अथवा अन्य व्यक्ति, जिसने आग बुझाई हो अथवा अग्नि शमन में महत्वपूर्ण सहायता दी हो, को पारितोषिक की स्वीकृति देना।	1- वन संरक्षक/निदेशक	1- प्रत्येक मामले में ₹5000/- की सीमा तक किन्तु एक व्यक्ति को ₹1000/- से अधिक नहीं।		1- प्रत्येक मामले में ₹2500/- की सीमा तक किन्तु एक व्यक्ति को ₹500/- से अधिक नहीं।
		2- उप वन संरक्षक/प्रभागीय वनाधिकारी।	2- प्रत्येक मामले में ₹2000/- की सीमा तक, किन्तु एक व्यक्ति को ₹500/- से अधिक नहीं।		2- प्रत्येक मामले में ₹1000/- की सीमा तक, किन्तु एक व्यक्ति को ₹250/- से अधिक नहीं।
10	(क) वृक्षारोपण व अन्य वानिकी कार्यों के आगणनों की स्वीकृति प्रदान करना।	1- प्रमुख वन संरक्षक 2- मुख्य वन संरक्षक 3- वन संरक्षक/निदेशक 4- उप वन संरक्षक/प्रभागीय वनाधिकारी	1- पूर्ण अधिकार 2- ₹20.00 लाख की सीमा तक 3- ₹10.00 लाख की सीमा तक 4- ₹5.00 लाख की सीमा तक		1- पूर्ण अधिकार 3- ₹2.00 लाख की सीमा तक 4- ₹1.00 लाख की सीमा तक
	(ख) राष्ट्रीय उद्यानों, वन्य विहारों, प्राणी उद्यानों, वन पार्कों/मनोरंजन पार्कों तथा अन्य स्थानों में विभागीय जलपान गृहों/ रेस्टोरेन्ट को किराये पर उतारने हेतु टेण्डर स्वीकृत करना।	सम्बन्धित संरक्षित क्षेत्र के वन संरक्षक/निदेशक	पूर्ण अधिकार	-बजट की उपलब्धता एवं मानक के अधीन -कय प्रकिया उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 के अनुसार होगी।	पूर्ण अधिकार

प्रेषक,

राधा रतूडी,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

प्रमुख सचिव,
कृषि,
उत्तराखण्ड शासन।

वित्त अनुभाग-7

देहरादून: दिनांक: 14 दिसम्बर, 2012

विषय:- वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन, 2010 के विवरण पत्र-V प्रकीर्ण आकस्मिक आवर्तक व्यय में संशोधन।


महोदय,

उपरोक्त विषयक शासनादेश संख्या: 328/xxvii(7)36/2008 दिनांक: 26 नवम्बर, 2012 के क्रम मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन, 2010 के विवरण पत्र-V प्रकीर्ण आकस्मिक आवर्तक व्यय के सम्बन्ध में सम्यक् विचारोपरान्त लिये गये निर्णयानुसार राज्यपाल महोदय, निम्नानुसार वित्तीय अधिकारों के प्रतिनिधायन में निम्नानुसार आंशिक संशोधन किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

प्रकीर्ण आवर्तक व्यय

क. स.	अधिकार का प्रकार	किसके द्वारा प्रयोग किया जाएगा	परिसीमार्ये	अभ्युक्ति	पूर्व अधिकार
1	2	3	4	5	6
1.	बीज कय	1- प्रशासकीय विभाग	पूर्ण अधिकार	- बजट की उपलब्धता एवं मानक के अधीन - कय प्रकिया उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 के अनुसार होगी	पूर्ण अधिकार
		2-विभागाध्यक्ष	पूर्ण अधिकार		सामग्री कय हेतु एक बार में ₹ 3,00,000/(तीन लाख) मूल्य तक
		3-कार्यालयाध्यक्ष	सामग्री कय हेतु एक बार में ₹ 30,000/(तीस हजार) मूल्य तक		सामग्री कय हेतु एक बार में ₹ 30,000/(तीस हजार) मूल्य तक

भवदीया



(राधा रतूडी)
सचिव, वित्त।

संख्या-34/ xxvii(7)36/2012 तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. निदेशक, कृषि, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवार्ये, लक्ष्मी रोड़ देहरादून।
3. निदेशक, एन0आई0सी0।

आज्ञा से,


(एल. एन. पन्त)
अपर सचिव, वित्त।